## October 13th

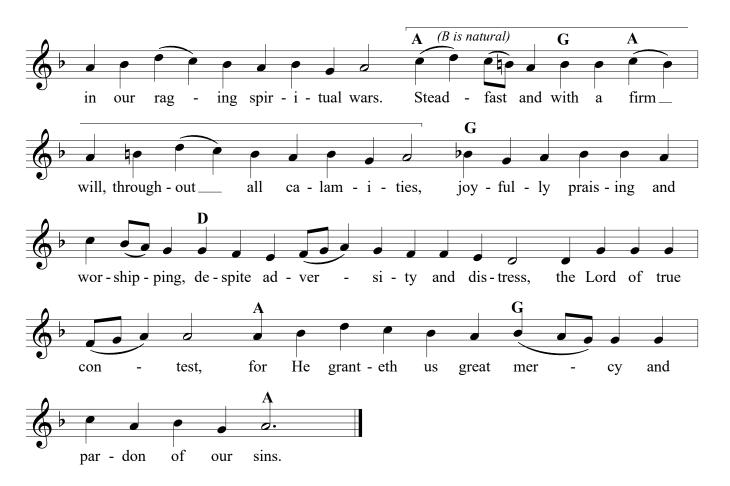
## St. Jacob of Hamatoura

## Stichera at the Aposticha at Vespers









## AT THE APOSTICHA

(Original Melody: Rejoice)

Plagal First Mode

$$^{3}\text{H}\chi \circ \varsigma \stackrel{\lambda}{\pi} \stackrel{\text{if}}{=} \stackrel{\text{I}}{\text{K}} \varepsilon$$

ye who love to hon- or the feast, come let us praise with hymns the mar- - tyr of Christ the Lord, who wast for- got-ten a long <u>time</u> and after that wast re-vealed  $\ddot{q}$  for the sake of 0,0000 = 00000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 00000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 00000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 00000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 00000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 00000 = 00000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 00000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 00000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 00000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 = 0000 those who love and hon- or him. Just like \_ sweet- est vi- o-lets, in se- - cret and hid-den way, get with a- bun- - dance, doth e- mit \_\_\_ ar- o- mat- ic scent, and en- gulf us \_\_ all with a heav- - en-ly red- o- lence, he pour- eth out a- bun-dant-ly, a stream of bless-ing and of grace to everyone who rever

eth  $\underline{\hspace{0.1cm}}$  him, and at all times  $\underline{\hspace{0.1cm}}$  doth be- hold with thanks  $\underline{\hspace{0.1cm}}$  the Lord's care and kind- - ness,  $\stackrel{(K)}{q}$  for He grant-eth us great mer- - - cy and クロングー χġ peace to all the world. on- drous is God in His Saints, in the tem- ples χ q bless the Lord. hy Name, O Ho- ly One, glo- ri- fy by means of glo-ri- fy- ing  $\,$  Ja-  $\,$  -  $\,$  cob  $\,$  Thy  $\,$  mar-tyred  $\,$  Saint  $\,$   $\,$   $\,$  who,  $\,$  loy-  $\,$  al-ways loved \_Thee and with all pi- e- ty lived, q work-ing through the クンタンデン Σ " ρ > — — 2 2 2 2 ~ (~ day and vig- il- ant at night. Strug- gl- ing, for- bear- - ing, and con- test-- ing un- til the end, and un- to Christ, the Lord, bow- ing

down his neck sub- miss- ive- ly, as an of- fer- ing and a gen- - ui- ne sac- ri- fice. (K)

He doth \_ re- fuse to bow \_\_ to the trom-ents of the ty- rant foes, gear-ing not a- ny in- jus- - tice but fear-ing God his Cre- a- - tor. There- fore, he was grant- -the ma- jes- tic crown of glo- - - ry and in- cor- rupχ ġ - tion. od hath made His Saints who are on the earth wonχ q drous. as- ten, O hier- o- mar- tyr of Christ to sup- port all the monks in thy \_\_\_ mon- as- ter- y now, and do bless our gen-

2 → 2 2 0 | - | × 2 | - | × 2 | - | × 2 | - | × 2 | - | × 2 | - | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | × 2 | er- a- - tion, O right- ous Ja-cob, to- day, <sup>9</sup>as thou didst bless the pri- or gen- er- a- - tion. Dis- pers- - ing our fee- ble-ness and support- - ing us in our fight, so that we al- - ways praise the Lord \_\_\_ as is tru- ly meet, be- ing strength- ened in our rag- - ing spir- it- 'al wars. Stead- fast \_ and with a firm \_ will, through-out \_\_ all ca- lam- i- ties, joy- ful- ly prais- ing and wor-ship-ping, de-spite ad- ver- - si- ty and dis-tress, the Lord of true con-for He grant- eth us great mer- - - cy and par- don  $\sim$ χ q of our sins.